



REET 2025

LEVEL-2



वंदन बैच

PHYSICS

Curriculum



LIVE

20-01-2024 04:00 PM



REET 2025 LEVEL-2



पाठ्यचर्या/विषयवस्तु

- विज्ञान की पाठ्यचर्या अथवा विषय वस्तु इस प्रकार की होनी चाहिए कि वह विद्यार्थियों को वास्तविक कार्य (यर्थाथ जीवन) की दुनिया में जीवितता हेतु पूर्ण रूप से तैयार कर सके।
- विज्ञान की उत्तम पाठ्यचर्या या विषय वस्तु वह होती है जो विद्यार्थियों के यर्थाथ जीवन की परिस्थितियों तथा स्वयं विज्ञान के प्रति समर्पित एवं सत्यार्थ प्रतीत होता है



REET 2025

LEVEL-2



Curriculum/Content

- The curriculum or content of science should be such that it can fully prepare the students for survival in the real world of work (real life).
- The best curriculum or content of science is that which seems to be true and dedicated to the real life situations of the students and science itself.



REET 2025 LEVEL-2



विज्ञान विषय-वस्तु

- विज्ञान की विषय-वस्तु विद्यार्थी के मानसिक स्तर के अनुसार प्रत्येक स्तर अर्थात् प्राथमिक, उच्च प्राथमिक एवं माध्यमिक स्तर पर भिन्न-भिन्न होती है।

Science Content

- The content of science varies according to the mental level of the student at each level i.e. primary, upper primary and secondary level.



REET 2025

LEVEL-2



प्राथमिक स्तर [Primary level] =

Newton's Law of Motion.

- प्राथमिक स्तर पर विज्ञान की विषय-वस्तु का सर्वोत्तम मापदण्ड विद्यार्थी स्वयं होता है प्राथमिक स्तर पर विज्ञान की पाठ्यचर्या अथवा विषय-वस्तु को अर्थपूर्ण एवं विद्यार्थियों की अभिरूचि के अनुरूप होना चाहिए

Primary level

बच्चों के मानसिक स्तर तथा

- At primary level, the best criterion for the content of science is the student himself. At primary level, the curriculum or content of science should be meaningful and according to the interest of the students.

रुचि के
अनुसार

According to the Mental Level
and Interest of Child



REET 2025 LEVEL-2



उच्च प्राथमिक स्तर *Upper Primary Level:-*

- उच्च प्राथमिक स्तर पर विद्यार्थी का विज्ञान से प्रथम बार परिचय होता है।
उच्च प्राथमिक स्तर पर वैज्ञानिक अवधारणाओं को विद्यार्थियों के अनुभव
जगत के वातावरण से सम्बन्धित किया जाना चाहिए।

Upper Primary Level

- At the upper primary level, the student is introduced to science for the first time. At the upper primary level, scientific concepts should be related to the environment of the students' experience.

*मद की लॉस लेने
के लिये गणितों का
सुलभ बनाना
करनी
है।*



REET 2025

LEVEL-2



माध्यमिक स्तर (Secondary level)

संतुलन:-

माध्यमिक स्तर पर विज्ञान को एक संकाय के रूप में अधिगमित (पढ़ाया) किया जाना चाहिए तथा विज्ञान की पाठ्यचर्या इस स्तर पर सिद्धान्त, नियम एवं अवधारणाओं पर आधारित की जानी चाहिए। इस स्तर पर पाठ्यचर्या में प्रयोगों, सह-पाठ्यगामी क्रियाकलापों में विद्यार्थियों की सहभागिता को महत्वपूर्ण भूमिका एवं समान अनिवार्यता को स्थान दिया जाना चाहिए उच्च माध्यमिक स्तर पर पाठ्यचर्या को संकायपरक बनाया जा सकता है किन्तु यह बोझिल नहीं होनी चाहिए।

प्रयोगों के माध्यम
चीजों को सिखाया जाता है।
Taught by Experiments.



REET 2025

LEVEL-2



Secondary level

At the secondary level, science should be learnt (taught) as a faculty and the curriculum of science at this level should be based on theories, rules and concepts. At this level, participation of students in experiments and co-curricular activities should be given an important role and equal importance in the curriculum.

At the higher secondary level, the curriculum can be made faculty-based but it should not be cumbersome.



REET 2025 LEVEL-2



- विषय-वस्तु को सूचनाओं से अत्यधिक रूप से भरा हुआ नहीं होना चाहिए और न ही उक्त विषय के सभी पक्षों को समाविष्ट करने के उद्देश्य से उसे तैयार किया जाना चाहिए।
- इस स्तर पर पाठ्यचर्या समस्या समाधान, धारणापरक कमियों के प्रति जागरूकता और विभिन्न विषयों की आलोचनात्मक जाँच करने की तरफ उन्मुख करने वाला होना चाहिए।
- विज्ञान की विषय वस्तु महज सूचना प्रदान करने वाली नहीं होनी चाहिए तथा विद्यार्थियों को ऐसे अवसर दिए जाने चाहिए जिससे वे विज्ञान का अर्थ 'विज्ञान को करना' समझ सकें।

Problem-Solving Approach.

Physics

प्रकाशिकी
Optics

ऐसा नहीं होना चाहिए कि उसमें केवल और केवल सूचनाओं का ही समावेश हो।

कॉन्टेंट को व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से प्रस्तुत करना चाहिए।



REET 2025 LEVEL-2



- The content should not be overloaded with information nor should it be designed to cover all aspects of the subject.
- The curriculum at this stage should be oriented towards problem solving, awareness of conceptual flaws and critical scrutiny of various subjects.
- The science content should not be merely informational and students should be given opportunities to understand the meaning of science as 'doing science'.



REET 2025 LEVEL-2



विज्ञान की पाठ्य-पुस्तक

पाठ्य-पुस्तकें पाठ्यचर्या के कार्यान्वयन के लिए अत्यंत आवश्यक संसाधनों में से एक होती हैं। पाठ्य-पुस्तकें ऐसी होनी चाहिए जो पाठ्यचर्या के उद्देश्यों की प्राप्ति में सहायक हो। पाठ्य-पुस्तकें अभिरूचि जगाने वाली और समस्या समाधान व कार्यकलापोन्मुखी हों। पाठ्य-पुस्तकें ऐसी होनी चाहिए जो दैनंदिन ^{दैनिक} जीवन के अनुभवों को स्वयं में सम्मिलित करें।

—X—

Book (किताब)

संपूर्ण पाठ्यक्रम को

किताब में संयोजित किया

अतः किताब पाठ्यक्रम को जाना है।

एक महत्वपूर्ण संसाधन है।